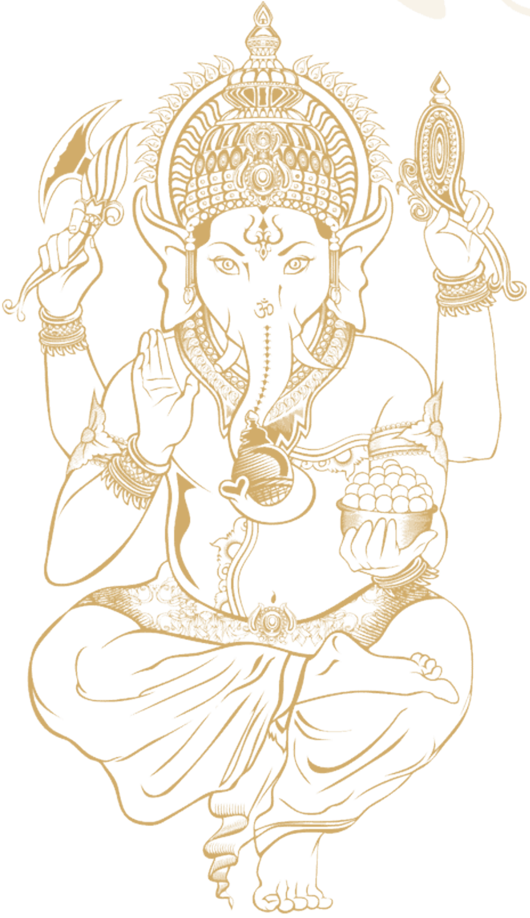

rajesh Bahuguna

01 Oct 1972

10:44 AM

Meerut

Model: Varshphal-2017

Order No: 121401001

तिथि 01/10/1972 **समय** 10:44:00 **वार** रविवार **स्थान** Meerut **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:28:51
अक्षांश 29:00:00 उत्तर **रेखांश** 77:42:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:19:12 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	11:04:56 घं	गण	देव
वेलान्तर	00:10:18 घं	योनि	मार्जार
सूर्योदय	06:12:18 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	18:05:02 घं	वर्ण	विप्र
चैत्रादि संवत	2029	वश्य	जलचर
शक संवत	1894	वर्ग	मेष
मास	आश्विन	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	जल
तिथि	9	जन्म नामाक्षर	ही-हीरा
नक्षत्र	पुनर्वसु	पाया(रा.-न.)	रजत-रजत
योग	शिव	होरा	शनि
करण	गर	चौघड़िया	अमृत

विंशोत्तरी		योगिनी	
गुरु 0वर्ष 11मा 23दि		पिंगला 0वर्ष 1मा 14दि	
शुक्र		उल्का	
24/09/2016		15/11/2020	
24/09/2036		15/11/2026	
शुक्र	25/01/2020	उल्का	15/11/2021
सूर्य	24/01/2021	सिद्धा	15/01/2023
चन्द्र	25/09/2022	संकटा	16/05/2024
मंगल	25/11/2023	मंगला	16/07/2024
राहु	25/11/2026	पिंगला	15/11/2024
गुरु	26/07/2029	धान्या	16/05/2025
शनि	24/09/2032	भ्रामरी	15/01/2026
बुध	26/07/2035	भद्रिका	15/11/2026
केतु	24/09/2036		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			12:12:31	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	मंगल	---	0:00			
सूर्य			14:38:27	कन्या	हस्त	2	चंद्र	गुरु	सम राशि	1.49	भ्रातृ	पितृ	वध
चंद्र			02:30:55	कर्क	पुनर्वसु	4	गुरु	राहु	स्वराशि	1.23	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल		अ	06:40:35	कन्या	उ०फाल्गुनी	4	सूर्य	बुध	शत्रु राशि	1.05	पुत्र	भ्रातृ	साधक
बुध		अ	23:19:04	कन्या	हस्त	4	चंद्र	सूर्य	स्वराशि	1.01	अमात्य	ज्ञाति	वध
गुरु			07:04:10	धनु	मूल	3	केतु	राहु	स्वराशि	1.06	मातृ	धन	क्षेम
शुक्र			01:48:34	सिंह	मघा	1	केतु	शुक्र	शत्रु राशि	1.03	कलत्र	कलत्र	क्षेम
शनि			27:06:56	वृष	मृगशिरा	2	मंगल	गुरु	मित्र राशि	1.20	आत्मा	आयु	मित्र
राहु	व		29:34:45	धनु	उत्तराषाढ़ा	1	सूर्य	राहु	नीच राशि		---	ज्ञान	साधक
केतु	व		29:34:45	मिथु	पुनर्वसु	3	गुरु	चंद्र	नीच राशि		---	मोक्ष	जन्म

लग्न-चलित

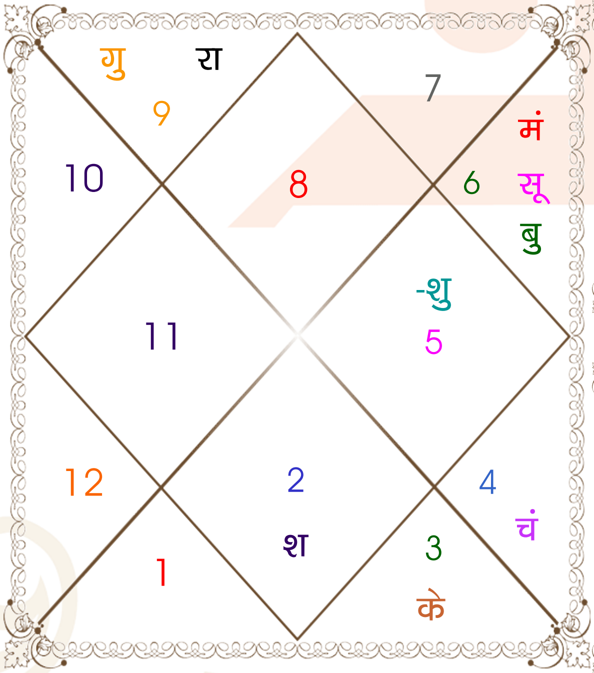

चन्द्र कुंडली

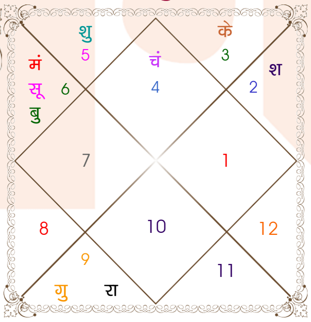

नवमांश कुंडली

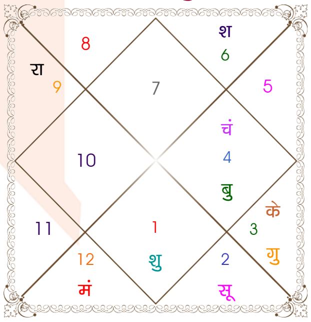

सर्वाष्टकवर्ग

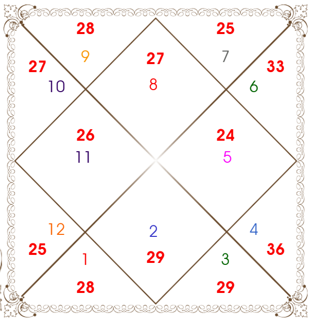

दशमांश कुंडली

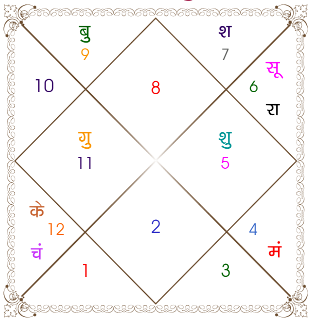

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्विते़ऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह पूर्वक सम्पन्न करेंगे। मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस वर्ष में आपको समस्त भौतिक सुख संसाधनों की प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप उनका उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही सुगन्धित द्रव्य, मोती आदि रत्न तथा अन्य ऐश्वर्यशाली पदार्थो को आर्जित करने में आप समर्थ रहेंगे। पारिवारिक जीवन इस समय आपका खुशहाल रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से इच्छित सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे। साथ ही उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अत्यंत ही महत्वपूर्ण रहेगा तथा आय स्रोतों में वृद्धि कर के आप इच्छित मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करेंगे। जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। मित्रों एवं संबन्धियों से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपको आवास या भूमि संबंधी लाभ भी प्राप्त होगा। साथ ही संतति प्राप्ति भी हो सकती है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपका विस्तार होगा या किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारंभ करने में समर्थ रहेंगे जिससे आपके प्रचुर मात्रा में लाभ मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय उच्चाधिकारी या राजनैतिक लोगों से आपके मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी उच्च एवं प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति हो सकती है। स्त्री वर्ग से भी आपकी मित्रता रहेगी तथा उनसे पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही धार्मिक नेताओं से भी सम्पर्क बनें रहेंगे। अतः इस वर्ष को आप अत्यंत सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा अपने समस्त सांसारिक कार्यो को आप उत्साह तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे एवं इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । मन से भी आप शान्ति एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय उत्तम रहेगी तथा सभी पारिवारिक जन परस्पर स्नेह पूर्वक रहेंगे तथा एक दूसरे को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस वर्ष आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही नवीन आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके विगत रुके हुए कार्य भी पूर्ण होंगे तथा सौभाग्य में भी वृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा तथा व्यापार में इच्छित सफलता एवं धनार्जन प्राप्त होगा। साथ ही व्यापार में वृद्धि या किसी नवीन कार्य की योजना भी बन सकती है। नौकरी या राजनीति में उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे तथा आपको अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा भी उत्तम रहेगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे । इस समय अतिरिक्त धनार्जन भी होगा एवं सुख संसाधनों को भी आप अर्जित करके उनका उपभोग करेंगें। अतः यह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा तथा उन्नति के मार्ग पर आप अग्रसर रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-

यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा इस समय राज्य या सरकार से आपको सम्मान प्राप्त होगा तथा कार्यक्षेत्र में पदोन्नति की संभावना बनेगी। इससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इसमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। आर्थिक दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में आप धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।इस समय आपके विगत रुके हुए महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे एवं मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे। साथ ही संतति पक्ष से भी निश्चिन्त एवं प्रसन्न रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में भी आप उन्नतिशील रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपके प्रभाव में वृद्धि होगी तथा अन्य लोग भी आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। व्यापार में उन्नति तथा लाभ के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा तथा किसी नवीन व्यापार की भी आप योजना बनाएंगे इससे भविष्य में आपको वांछित लाभ की प्रप्ति होगी। मित्रों एवं संबधियों से इस समय आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगे । इसके अतिरिक्त वाहन संबधी सुख भी आपको प्राप्त होगा। अतः समय की अनुकूलता को देखते हुए समय का सदुपयोग करें।

प्रथम मास
02/10/2026 06:46:00 से 01/11/2026 12:38:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	21:06:02
सूर्य		कन्या	हस्त	14:38:27
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	24:42:34
मंगल		कर्क	पुष्य	08:04:04
बुध		तुला	स्वाति	07:49:46
गुरु		कर्क	आश्लेषा	25:32:46
शुक्र		तुला	स्वाति	14:13:41
शनि	व	मीन	रेवती	17:15:46
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	04:51:42
केतु	व	सिंह	मघा	04:51:42
मुंथा		वृष	रोहिणी	12:12:31

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

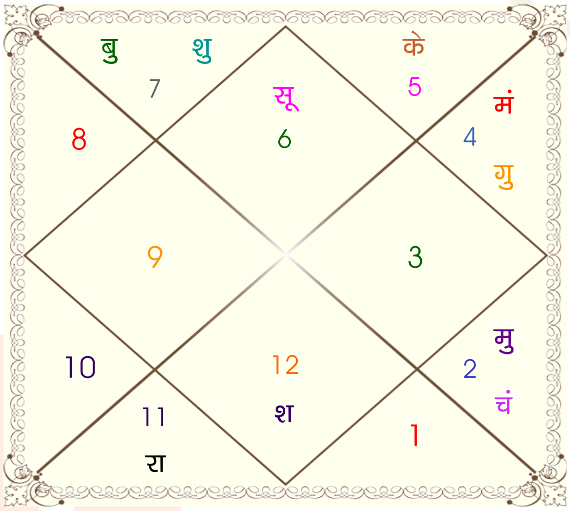

इस मास में आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव या कार्य भी सम्पन्न हो सकता है। सन्तति से आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं अवसरानुसार आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे।समाज में यशार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में भी उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगे एवं मित्रों से मधुर संबन्ध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे।

साथ ही आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा सन्तुष्टि भी प्राप्त करेंगे। इस मास में आप नवीन वस्त्रों तथा अन्य द्रव्यों को भी अर्जित करेंगे।अतः इससे आपको मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त होगी।

द्वितीय मास

01/11/2026 12:38:54 से 01/12/2026 07:29:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	07:32:50
सूर्य		तुला	स्वाति	14:38:27
चन्द्र		कर्क	पुष्य	07:26:11
मंगल		कर्क	आश्लेषा	24:32:15
बुध	व	तुला	विशाखा	22:05:33
गुरु		सिंह	मघा	00:07:31
शुक्र	व	तुला	चित्रा	01:51:58
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:02:01
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	02:41:54
केतु	व	सिंह	मघा	02:41:54
मुंथा		वृष	रोहिणी	14:42:31

मासाधिपति

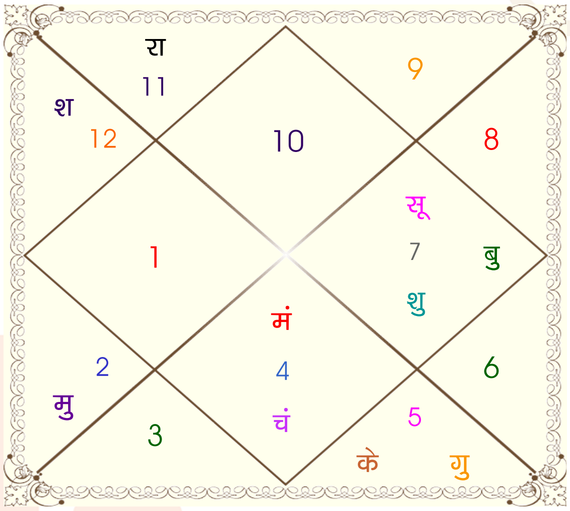

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

तृतीय मास
01/12/2026 07:29:54 से 30/12/2026 19:31:38 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	21:15:37
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	14:38:27
चन्द्र		सिंह	मघा	12:28:43
मंगल		सिंह	मघा	07:43:46
बुध		तुला	विशाखा	27:55:50
गुरु		सिंह	मघा	02:33:24
शुक्र		तुला	चित्रा	03:48:37
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:47:05
राहु		मकर	धनिष्ठा	29:36:57
केतु		कर्क	आश्लेषा	29:36:57
मुंथा		वृष	रोहिणी	17:12:31

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

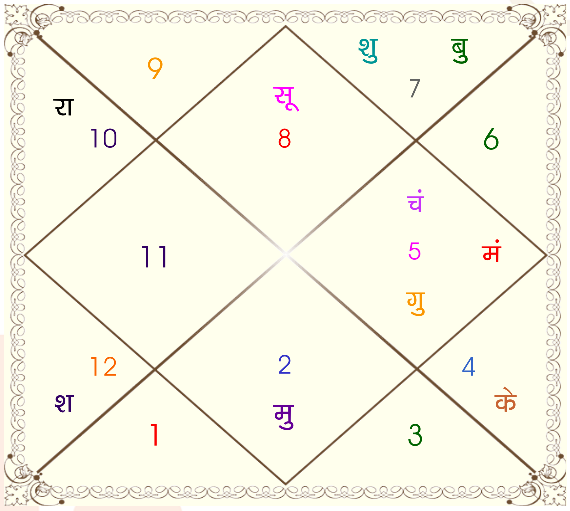

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री या बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा आपके बन्धु वर्ग तथा स्त्री को किसी प्रकार का कष्ट होगा। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आपको नित्य चिन्ता तथा भय बना रहेगा। आपमें इस मास उत्साह की अल्पता स्पष्ट रूप से परिलिक्षत होगी तथा अनावश्यक रूप से धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आर्थिक रूप से भी आप कष्टानुभुति प्राप्त करेंगे आपके मन में लालच के भाव की भी वृद्धि होगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। बन्धु जनों से आपके सम्बन्धों में तनाव व्याप्त होगा तथा ऐसे समय में मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे जिससे आपको मानसिक रूप से असन्तुष्टि रहेगी। साथ ही अन्य पारिवारिक या समाजिक जनों से भी वादविवाद होते रहेंगे।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अवश्य प्राप्त करेंगे। इससे आपको स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा इनसे आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों तथा द्रव्य आदि को प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

चतुर्थ मास

30/12/2026 19:31:38 से 29/01/2027 06:35:41 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	11:26:32
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:38:27
चन्द्र		कन्या	हस्त	12:08:48
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:27:40
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:24:02
गुरु	व	सिंह	मघा	02:17:17
शुक्र		तुला	विशाखा	27:50:44
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:02:36
राहु		मकर	धनिष्ठा	27:13:46
केतु		कर्क	आश्लेषा	27:13:46
मुंथा		वृष	रोहिणी	19:42:31

मासाधिपति

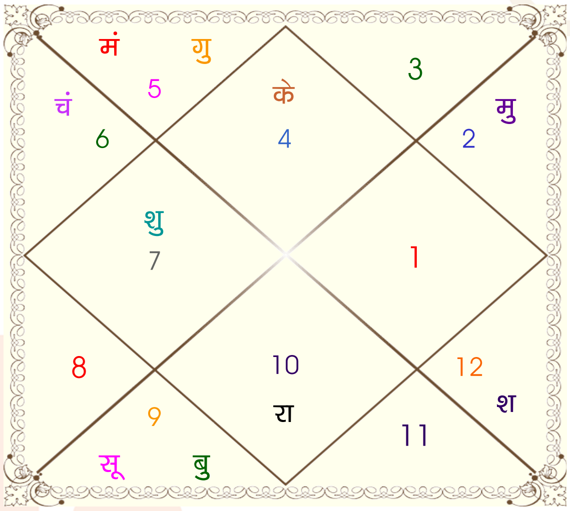

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभ तथा प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय स्त्री वर्ग से आप लाभार्जन करेंगे तथा सौभाग्य से युक्त रहेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी जिसमें आप सफलता अर्जित करेंगे। आप मन से भी इस समय शान्त एवं प्रसन्न रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करेंगे तथा अन्य वांछित पदार्थो की भी आपको प्राप्ति होगी। संतति पक्ष से भी आप सुखार्जन करेंगे एवं सम्बन्धियों के मध्य मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय में सम्पन्न होंगे तथा आप प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा अन्य पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा धन लाभ प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा सुख पूर्वक समय व्यतीत करके समाज में पूर्ण यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगे।

पंचम् मास
29/01/2027 06:35:41 से 27/02/2027 22:47:48 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:51:56
सूर्य		मकर	श्रवण	14:38:27
चन्द्र		तुला	स्वाति	09:52:57
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	13:56:55
बुध		कुम्भ	धनिष्ठा	01:40:27
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	29:29:16
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:25:45
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:47:19
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:22:35
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:22:35
मुंथा		वृष	रोहिणी	22:12:31

मासाधिपति

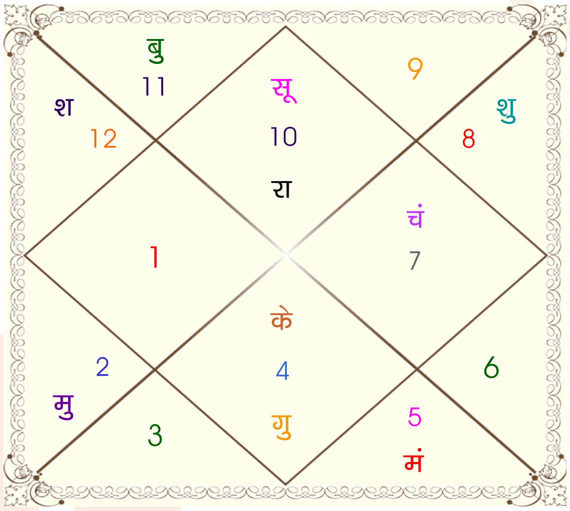

मासाधिपति : शनि

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप संतति पक्ष से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करने में भी सफल रहेंगे। इस समय आपके प्रभुत्व में भी वृद्धि होगी तथा अन्य लोग आपके प्रभुत्व को हृदय से स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा किसी शुभ समाचार को भी प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों की भी आप श्रद्धा पूर्वक पूजन एवं सम्मान करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य या उच्चाधिकारी वर्ग से लाभार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा आपकी मनोकामनाएं पूर्ण होगी फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से भी वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आप प्राप्ति कर सकते है। इस प्रकार आपका यह मास सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत होगा।

षष्ठ मास

27/02/2027 22:47:48 से 30/03/2027 01:01:04 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	14:25:56
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	14:38:27
चन्द्र		वृश्चिक	अनुराधा	09:03:17
मंगल	व	सिंह	मघा	03:22:53
बुध	व	मकर	धनिष्ठा	27:30:30
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	25:39:40
शुक्र		मकर	उत्तराषाढ़ा	03:55:13
शनि		मीन	रेवती	18:41:30
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:08:23
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:08:23
मुंथा		वृष	मृगशिरा	24:42:31

मासाधिपति

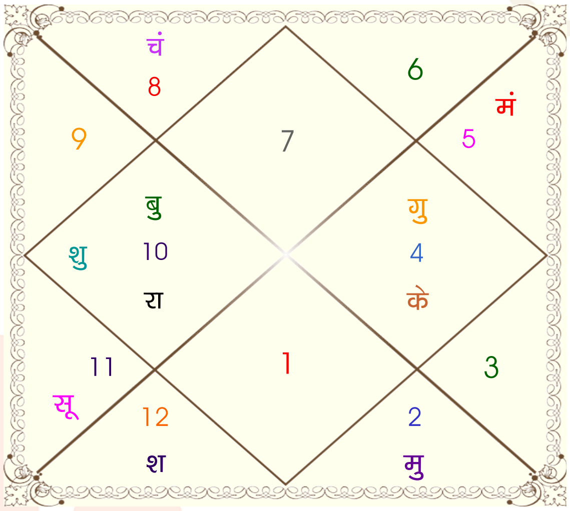

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

सप्तम् मास
30/03/2027 01:01:04 से 29/04/2027 15:38:54 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	09:01:59
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	14:38:27
चन्द्र		धनु	मूल	12:12:10
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	26:44:01
बुध		कुम्भ	शतभिषा	19:59:53
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	23:04:37
शुक्र		कुम्भ	शतभिषा	09:56:22
शनि		मीन	रेवती	22:18:17
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	25:02:29
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	25:02:29
मुंथा		वृष	मृगशिरा	27:12:31

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

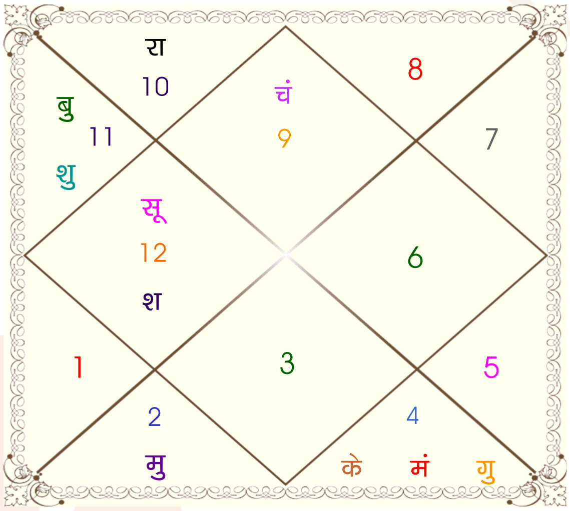

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

अष्टम् मास
29/04/2027 15:38:54 से 30/05/2027 17:46:53 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:11:11
सूर्य		मेष	भरणी	14:38:27
चन्द्र		मकर	श्रवण	20:55:24
मंगल		सिंह	मघा	00:49:38
बुध		मेष	भरणी	15:15:55
गुरु		कर्क	आश्लेषा	23:09:47
शुक्र		मीन	रेवती	16:59:12
शनि		मीन	रेवती	26:08:04
राहु		मकर	श्रवण	22:31:47
केतु		कर्क	आश्लेषा	22:31:47
मुंथा		वृष	मृगशिरा	29:42:31

मासाधिपति

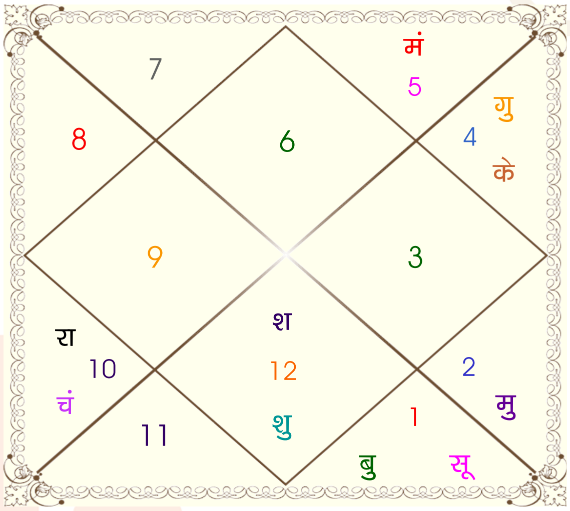

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ तथा भाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही आपके धर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न होगा।संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा का भाव रहेगा एवं श्रद्धा पूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा। इस मास में आपकी लाभ दायक यात्रा का योग भी बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सम्मान तथा सहयोग भी अर्जित करेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा समाज में आप एक सम्मानतीय तथा प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपको प्रचुर मात्रा में धनार्जन भी होगा तथा सुख साधनों को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आपकी रूचि रहेगी तथा समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा व्याप्त रहेगी।

नवम् मास

30/05/2027 17:46:53 से 01/07/2027 03:15:26 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	27:24:19
सूर्य		वृष	रोहिणी	14:38:27
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	06:37:01
मंगल		सिंह	मघा	12:15:01
बुध		मिथुन	आर्द्रा	07:21:26
गुरु		कर्क	आश्लेषा	25:58:48
शुक्र		मेष	भरणी	24:46:39
शनि		मीन	रेवती	29:39:06
राहु	व	मकर	श्रवण	19:36:27
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	19:36:27
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	02:12:31

मासाधिपति

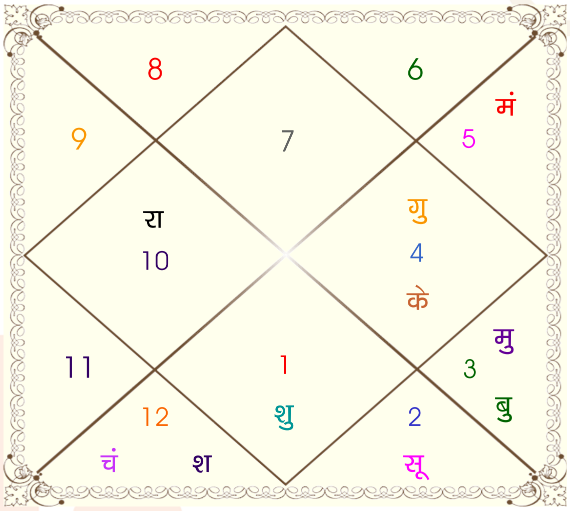

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

दशम् मास

01/07/2027 03:15:26 से 01/08/2027 13:44:45 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	12:59:05
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	14:38:27
चन्द्र		वृष	कृतिका	00:19:28
मंगल		सिंह	उ०फाल्गुनी	27:47:40
बुध	व	मिथुन	मृगशिरा	03:48:53
गुरु		सिंह	मघा	00:52:01
शुक्र		मिथुन	मृगशिरा	03:05:22
शनि		मेष	अश्विनी	02:18:04
राहु	व	मकर	श्रवण	17:40:15
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:40:15
मुंथा		मिथुन	मृगशिरा	04:42:31

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

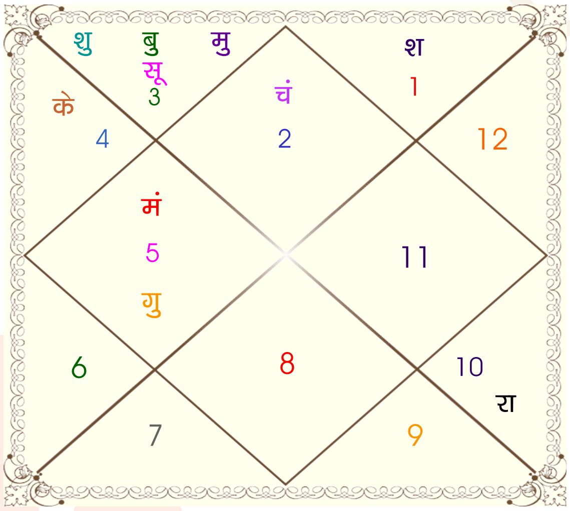

इस माह में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सक्षम रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप का यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप यथोचित सम्मान अर्जित करेंगे एवं उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे।उच्चाधिकारी वर्ग का आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उनसे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे।साथ ही इस मास में मिष्ठान्न के प्रति आपके मन में विशेष रूचि रहेगी तथा आप प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न ही रहेंगे। इस मास में आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा आप लाभ तथा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु शुभ फलों के मध्य यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातजनित रोगों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए उद्यत होगी जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी। एवं बाद में इसके लिए आप पछताएंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किंचित धन हानि प्राप्त करेंगे अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

एकादश मास
01/08/2027 13:44:45 से 01/09/2027 18:37:18 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	28:35:16
सूर्य		कर्क	पुष्य	14:38:27
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	29:20:10
मंगल		कन्या	हस्त	15:47:52
बुध		कर्क	पुष्य	03:31:40
गुरु		सिंह	मघा	07:01:23
शुक्र		कर्क	पुष्य	11:41:43
शनि		मेष	अश्विनी	03:34:22
राहु	व	मकर	श्रवण	17:14:37
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:14:37
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	07:12:31

मासाधिपति

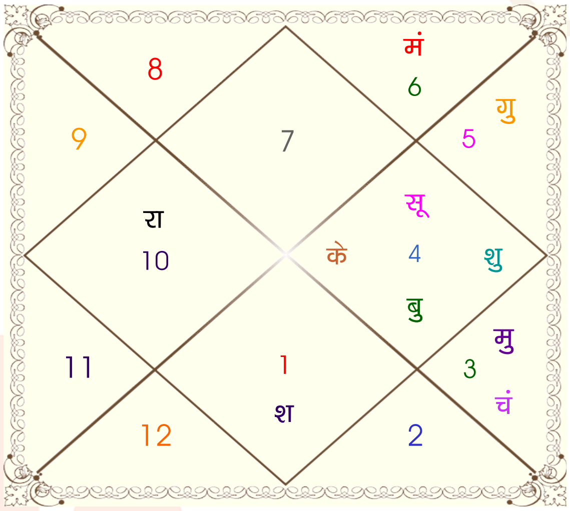

मासाधिपति : चन्द्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते है। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे।साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

01/09/2027 18:37:18 से 02/10/2027 12:56:29 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	14:30:40
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:38:27
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	25:56:09
मंगल		तुला	चित्रा	05:24:21
बुध		कन्या	उ०फाल्गुनी	02:43:00
गुरु		सिंह	पू०फाल्गुनी	13:42:51
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:16:46
शनि	व	मेष	अश्विनी	03:11:24
राहु	व	मकर	श्रवण	17:04:26
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:04:26
मुंथा		मिथुन	आर्द्रा	09:42:31

मासाधिपति

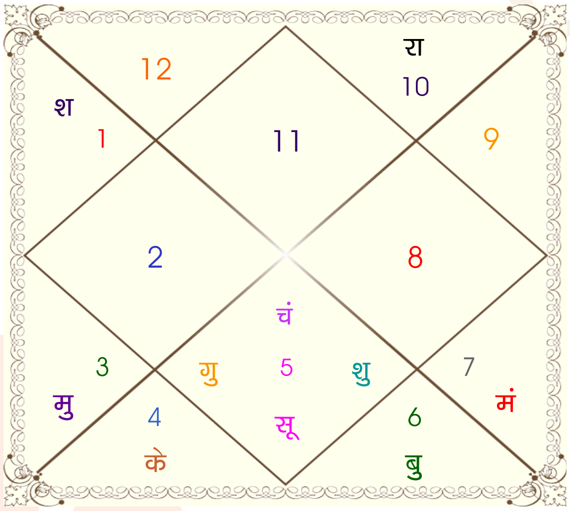

मासाधिपति : सूर्य

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप विविध प्रकार से द्रव्य अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति से आपको इस मास में पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफल भी रहेंगे।आपके प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे तथा आपको यथोचित सम्मान भी प्रदान करेंगे। इस समय आपके कई महत्वपूर्ण कार्य सफल होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी।देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग भी प्राप्त होगा साथ ही समाज में भी आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से आवश्यक सहयोग अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन तथा सुखार्जन में सफल रहेंगे। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धावान रहेंगे तथा समाज में आदरणीय समझे जाएंगे।